RAJHIN/2014/55262

sancharjagat.com



संचार जगत

दैनिक समाचार पत्र

sancharjagat.com

editorial@sancharjagat.com

'सोच को इतना बड़ा रखो कि असफलता भी एक छोटा कदम लगे। सफलता कोई मंजिल नहीं, यह एक दिशा है। बड़ा सोचो, बड़ा करो। '

वर्षः 13 | अंकः 251 जयपुर, शनिवार, 10 अक्टूबर , 2026 मूल्यः 2.00 रूपए पृष्ठ : 4

जेवर एयरपोर्ट का नाम होगा नरेंद्र मोदी इंटरनेशनल एयरपोर्ट



संचार जगत

लखनऊ। योगी कैबिनेट ने जेवर एयरपोर्ट का नाम नरेंद्र मोदी इंटरनेशनल एयरपोर्ट रखने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है. अब एयरपोर्ट का नाम बदलने की आगे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने शुक्रवार को जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम बदलने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी. अब एयरपोर्ट का नाम 'नरेंद्र मोदी इंटरनेशनल एयरपोर्ट, नोएडा-जेवर' रखने का प्रस्ताव है. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कैबिनेट बैठक के बाद इसकी जानकारी दी. कैबिनेट में प्रस्ताव पारित होने के बाद अब जेवर एयरपोर्ट का नाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर रखने की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी. हालांकि, नाम बदलने की अंतिम औपचारिकताएं अभी पूरी होनी बाकी हैं.योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश कैबिनेट ने जेवर एयरपोर्ट को राज्य के लिए बड़ी सौगात बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया. उन्होंने कहा कि यह एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट और देश का प्रमुख हवाई यातायात केंद्र बनेगा. योगी ने कहा कि कैबिनेट ने प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व, मार्गदर्शन और उत्तर प्रदेश के विकास के लिए उनकी लगातार प्रतिबद्धता की सराहना की है. योगी ने कहा कि राज्य सरकार ने 2047 तक विकसित उत्तर प्रदेश और विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए पूरी मेहनत, ऊर्जा और समर्पण के साथ काम करते रहने का संकल्प दोहराया है।

हरावल दस्ते के रूप में काम करें ओबीसी मोर्चा: मदन राठौड़



संचार जगत

जयपुर। पार्टी मुख्यालय में भारतीय जनता पार्टी राजस्थान प्रदेश ओबीसी मोर्चा की प्रदेश कार्यकारिणी बैठक हुई। इसमें केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछड़ा वर्ग के उत्थान के लिए किए गए कार्यों तथा वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने की रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक में ओबीसी मोर्चा की संगठनात्मक भूमिका को और अधिक प्रभावी बनाने तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया। ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमरपाल मौर्य ने कहा कि ओबीसी मोर्चा राजस्थान में केंद्र एवं राज्य सरकार की उपलब्धियों को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने में अग्रणी भूमिका निभाएगा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि ओबीसी मोर्चा को पार्टी के हरावल दस्ते के रूप में काम करने की आवश्यकता है। बैठक में भाजपा संगठन महामंत्री अजेय कुमार ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के सिद्धांत पर चलते हुए समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के उत्थान के लिए कार्य कर रही है।

सीजेपी ने किया ऐलान चाहे कुछ भी हो जाए, जंतर-मंतर करेंगे मार्च ...

पुलिस नहीं करने देगी प्रदर्शन

संचार जगत



नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर 10 अक्टूबर को विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया है. ऐसे में सीजेपी समेत कई समूहों ने आरोप लगाया है कि इस विरोध प्रदर्शन के पहले देश भर से प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया जा रहा है. अभिजीत दीपके ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा,' 10 अक्टूबर को होने वाले हमारे विरोध प्रदर्शन से पहले,बीजेपी सरकार ने देश भर में हजारों युवाओं को हिरासत में लिया है. मोदी, यह डराने-धमकाने की कोशिश काम नहीं आएगी. देश के युवा अब आपसे डरते नहीं हैं. मैं कल दिल्ली पहुंचूंगा और चाहे कुछ भी हो जाए, जंतर-मंतर तक मार्च करूंगा। सीजेपी के को-इंचार्ज दीपक बालियान को अलवर पुलिस ने हिरासत में लिया. हिरासत में लिए जाने के बाद कंवीनर आशुतोष रांका ने कहा, 10 अक्टूबर को प्रस्तावित आंदोलन से ठीक पहले पुलिस की तरफ से कार्रवाई की जा रही है. उन्होंने पुलिस पर परिजनों और बालियान के भाई के साथ बर्बरतापूर्ण मारपीट करने का आरोप लगाया. सीजेपी ने कहा कि राजस्थान पुलिस के रवैये को तानाशाहीपूर्ण और असंवैधानिक बताते हुए आंदोलन की आवाज दबाने का प्रयास किया जा रहा है.

सीजेपी पार्टी ने प्रशासन को चेतावनी भी जारी की है. उन्होंने कहा कि बिना वैधानिक आधार हिरासत में रखे जाने पर प्रदेशभर में उग्र आंदोलन किया जाएगा. जिसकी जिम्मेदारी पुलिस-प्रशासन की होगी. मामले में दोषी अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई और दीपक बालियान की तुरंत रिहाई की मांग भी उठाई है. सीजेपी के प्रदर्शन से पहले मेट्रो और ट्रैफिक पाबंदियों पर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई. सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि सुरक्षा जरूरी, लेकिन आम लोगों की आवाजाही और सार्वजनिक परिवहन पूरी तरह ठप नहीं होना चाहिए.कॉकरोच जनता पार्टी के प्रस्तावित प्रदर्शन से पहले दिल्ली में मेट्रो स्टेशनों को बंद करने और ट्रेनों के संचालन पर पाबंदियों का मामला शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट पहुंचा. सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत ने सुरक्षा इंतजामों पर चिंता जताते हुए कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कदम उठाना जरूरी है, लेकिन यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि आम लोगों की सुविधाएं पूरी तरह ठप न हों.मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कल यानी शनिवार को होने वाले कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन पर दिल्ली पुलिस सख्त है. शुक्रवार को दिल्ली पुलिस ने साफ किया है कि जंतर-मंतर पर सीजेपी के प्रस्तावित प्रदर्शन को अनुमति नहीं दी जाएगी. पुलिस ने इसकी वजह इलाके में लागू भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 को बताया है. दिल्ली पुलिस ने कहा कि सीजेपी ने प्रदर्शन की देरी से सूचना दी है.

दिल्ली पुलिस की ज्वॉइंट सीपी नूपुर प्रसाद ने कहा, 'हमें कॉकरोच जनता पार्टी के सौरव दास से एक आवेदन प्राप्त हुआ है. यह आवेदन 10 अक्टूबर को जंतर मंतर पर एक विरोध प्रदर्शन के लिए सूचना के संबंध में है... 10 अक्टूबर को दिल्ली में सीजेपी के प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन को देखते हुए भारतीय रेलवे ने सुबह 4 बजे से दोपहर 2 बजे तक नई दिल्ली और हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशनों पर पहुंचने वाली सभी ट्रेनों को या तो रद्द कर दिया गया है या उनके मार्ग में बदलाव किया गया है।

नावी पिल्लई को शांति का नोबेल

ट्रंप का शांतिदूत बनने का सपना फिर टूटा



संचार जगत

ओस्लो। नोबेल कमेटी ने 2026 का नोबेल शांति पुरस्कार नवनेथम नावी पिल्लई को देने की घोषणा की है. पिल्लई को शांति और अंतरराष्ट्रीय कानून को बढ़ावा देने के उनके प्रयासों के लिए इस सम्मान से नवाजा जाएगा। नोबेल कमेटी ने 2026 का नोबेल शांति पुरस्कार नवनेथम नावी पिल्लई को देने की घोषणा की है. नोबेल पुरस्कार के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट के मुताबिक, पिल्लई को शांति और अंतरराष्ट्रीय कानून को बढ़ावा देने के उनके प्रयासों के लिए इस सम्मान से नवाजा जाएगा. वहीं, नोबेल शांति पुरस्कार पाने की इच्छा कई बार जाहिर कर चुके अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को इस साल भी यह सम्मान नहीं मिला. तमिल मूल की नावी दक्षिण अफ्रीका के हाईकोर्ट की जज रह चुकी हैं. वह रवांडा इंटरनेशनल क्रिमिनल ट्रिब्यूनल में जज भी रही हैं.दक्षिण अफ्रीका में जन्मीं नावी पिल्लई ने रंगभेद के खिलाफ संघर्ष करने वाले नेल्सन मंडेला समेत कई लोगों की कानूनी लड़ाई लड़ी थी. वह गाजा में इजराइल की सैन्य कार्रवाई पर भी लगातार सवाल उठाती रही हैं. इसके अलावा, उन्होंने युद्ध अपराध और नरसंहार के जिम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए अहम काम किया है।

भजनलाल शर्मा की संवेदनशील पहल से पेलिएटिव केयर को मिला विस्तार

संचार जगत



जयपुर। राजस्थान सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सेवा ही संकल्प' के विजन को धरातल पर साकार कर रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में न केवल स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ किया गया है, बल्कि मानवीय एवं संवेदनशील पहल के तहत गंभीर एवं असाध्य रोगों से ग्रसित रोगियों को घर बैठे उपचार उपलब्ध करवाया जा रहा है। गंभीर एवं असाध्य रोगों से पीड़ित मरीजों, बेड-रिडन बुजुर्गों और ऐसे रोगियों, जिनके लिए अस्पताल तक पहुंचना कठिन है, उनके लिए होम-बेस्ड पेलिएटिव केयर राज्य सरकार की जनकल्याणकारी सोच का जीवंत उदाहरण बनकर सामने आई है। इस पहल से करीब सवा साल के समय में ही तीन लाख से अधिक रोगियों को लाभान्वित किया गया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का संकल्प है कि गंभीर बीमारी से जूझ रहे व्यक्ति को केवल उपचार ही नहीं, बल्कि दर्द से राहत, मानसिक सहयोग, सम्मानजनक देखभाल और बेहतर जीवन-गुणवत्ता भी मिले। सरकार की स्वास्थ्य नीति का फोकस केवल बीमारी के उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि सरकार का प्रयास है कि गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीज और उनके परिवार को कठिन परिस्थितियों में अधिकतम सहारा मिले। इसी सोच के तहत कैंसर, पार्किंसन, स्ट्रोक, रीढ़ की चोट, अल्जाइमर सहित अन्य असाध्य रोगों से पीड़ित मरीजों को आवश्यक पेलिएटिव केयर सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। राज्य सरकार बुजुर्गों को परिवार और समाज की अमूल्य धरोहर मानते हुए उनकी स्वास्थ्य सुरक्षा को विशेष प्राथमिकता दे रही है। इसी भावना के अनुरूप जुलाई 2025 से प्रदेश में होम-बेस्ड पेलिएटिव केयर के माध्यम से बेड-रिडन मरीजों और बुजुर्गों को उनके घर पर ही आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। सरकार ने केवल सेवा का विस्तार ही नहीं किया है, बल्कि इसके लिए प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार करने पर भी जोर दिया है। अब तक लगभग 57 हजार केयर गिवर्स को होम-बेस्ड पेलिएटिव केयर के लिए प्रशिक्षित किया जा चुका है। इसके अलावा 10 हजार एएनएम, 21 हजार से ज्यादा आशा कार्यकर्ताओं और करीब 10 हजार सीएचओ को भी होम-बेस्ड पेलिएटिव केयर के लिए प्रशिक्षण दिया गया है।

लोक संस्कृति से विकसित होते हैं संस्कार : बागडे

संचार जगत



सीकर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शुक्रवार को सीकर में आयोजित शेखावाटी साहित्य संगम में सहभागिता की तथा साहित्य, भारतीय ज्ञान परंपरा, शिक्षा और राष्ट्र निर्माण के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के साहित्यिक आयोजनों से विचारों का परिष्कार होता है, नवीन विचारों का संचार होता है तथा ज्ञान में वृद्धि होती है। राज्यपाल ने कहा कि शेखावाटी शूरवीरों की धरती है। यह क्षेत्र त्याग, तपस्या, शौर्य और उद्यमशीलता के लिए भी प्रसिद्ध है। देश की अखंडता एवं रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने में शेखावाटी क्षेत्र का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। यहां अनेक परिवारों की तीसरी और चौथी पीढ़ी भी देश की रक्षा में सेवाएं दे रही है। उन्होंने कहा कि साहित्य समाज की धड़कन है। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा ने विश्व को ज्ञान और विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। शून्य की अवधारणा ने गणना की पद्धति को नई दिशा प्रदान की। उन्होंने राजस्थान की लोक संस्कृति एवं साहित्य का उल्लेख करते हुए कहा कि यहां लोकगीतों और लोक परंपराओं के माध्यम से बच्चों में बाल्यावस्था से ही मातृभूमि की रक्षा, वीरता और त्याग के संस्कार विकसित किए जाते हैं।

विश्वेंद्र सिंह ने कांग्रेस नेतृत्व पर बोला हमला

चापलूसी मेरे खून में नहीं

संचार जगत



भरतपुर । वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री विश्वेंद्र सिंह द्वारा पार्टी के नेतृत्व और संगठनात्मक कार्यप्रणाली पर एक बार फिर तीखा हमला करने के बाद राजस्थान कांग्रेस के भीतर तनाव बढ़ गया है। एक लंबे सोशल मीडिया पोस्ट में सिंह ने घोषणा की 'चापलूसी मेरे खून में नहीं है, और न ही मैं कभी इसमें शामिल होऊंगा,' जिससे उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर नई अटकलें लगने लगी हैं। ये ताजा बयान पार्टी की अनुशासनात्मक समिति द्वारा सिंह को कारण बताओ नोटिस जारी करने के बाद आए हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने पार्टी की विचारधारा से हटकर राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को निशाना बनाते हुए बयान दिए थे। उन्हें सात दिनों के भीतर जवाब देने को कहा गया था। समय सीमा के बाद भी कोई आधिकारिक जवाब न मिलने से राजनीतिक गलियारों में आगे की कार्रवाई को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं।नोटिस पर चुप्पी साधने के बाद, सिंह ने अब एक कड़े शब्दों वाले पोस्ट के जरिए पार्टी के नेतृत्व, आंतरिक अनुशासन और राजनीतिक दिशा पर सवाल उठाकर विवाद को फिर से हवा दे दी है। उनके बयानों ने राजस्थान कांग्रेस के भीतर चल रही गुटबाजी पर बहस को और तेज कर दिया है। सिंह ने पार्टी की मौजूदा स्थिति पर गहरा अफसोस जताते हुए कहा कि छह दशकों तक देश पर शासन करने वाला यह संगठन अब राजस्थान में प्रभावी नेतृत्व के अभाव में जी रहा है। उन्होंने लिखा कि पार्टी को 'भगवान भरोसे' छोड़ दिया गया है और इसके नेताओं पर अपने ही संगठन को कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी दावा किया कि पार्टी के भीतर आत्मसम्मान वाले लोग घुटन महसूस कर रहे हैं। राज्य नेतृत्व पर सीधा प्रहार करते हुए सिंह ने इसके वरिष्ठ पदाधिकारियों से अहंकार और भ्रम से प्रेरित राजनीति को त्यागने का आग्रह किया। अन्यथा, उन्होंने चेतावनी दी, पार्टी की शेष राजनीतिक शक्ति भी खो सकती है। उन्होंने वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन की कमी और महिला सशक्तिकरण के लिए स्पष्ट दृष्टिकोण के अभाव पर भी चिंता व्यक्त की। अपने व्यक्तिगत विश्वासों और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता हैं।

रक्षा मंत्री तरंग शक्ति में करेंगे शिरकत

संचार जगत



जोधपुर। देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कल (10 अक्टूबर 2026) जोधपुर के एक दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन पर चल रहे बहुराष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय वायु अभ्यास 'तरंग शक्ति-2026' के मुख्य कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे और वायुसेना के जवानों व विदेशी दलों के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे। रक्षा मंत्री के इस दौरे को लेकर सुरक्षा और प्रशासनिक स्तर पर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

सिंधिया ने मस्क को दिया जवाब



संचार जगत

नई दिल्ली । केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को कहा कि भारत किसी भी क्षेत्र में एकाधिकार की अनुमति नहीं देता है। उनका यह बयान सैटेलाइट संचार सेवाओं को लेकर जारी विवाद और एलन मस्क के आरोपों के बीच आया है। सिंधिया ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस के दौरान कहा, 'एक विशेष कंपनी को लेकर काफी चर्चा हो रही है, लेकिन तीन कंपनियों को सैटकॉम लाइसेंस मिले हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सैटेलाइट संचार सेवा प्रदाता राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी आवश्यकताओं और निर्धारित मानकों को पूरा करने के बाद ही अपना परिचालन शुरू कर सकते हैं। विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मस्क का बचाव किए जाने के बाद कांग्रेस पर निशाना साधते हुए सिंधिया ने कहा कि उनकी पार्टी को यह भी नहीं पता कि वह 'बाएं जा रही है या दाएं।

सुप्रीम कोर्ट की समिति करेगी वन क्षेत्रों का दौरा

संचार जगत



जयपुर। सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त उच्चाधिकार समिति 11 से 13 अक्टूबर तक राजस्थान के वागड़ क्षेत्र का दौरा करेगी। इस समिति को अरावली पर्वत श्रृंखला की परिभाषा, पारिस्थितिक स्थिति और संरक्षण की जांच का कार्य सौंपा गया है। समिति डूंगरपुर जिले के पालदेवल-सरकान क्षेत्र और बांसवाड़ा जिले के केवड़िया-कोठारा क्षेत्र का निरीक्षण करके खनन, वन, भूमि उपयोग और स्थानीय समुदायों, विशेष रूप से आदिवासी आबादी की आजीविका से संबंधित जमीनी हकीकतों का आकलन करेगी। यह दौरा समिति के 8 से 10 अक्टूबर तक गुजरात के अरावली क्षेत्र के दौरे के बाद हो रहा है। राजस्थान दौरे के दौरान, समिति जमीनी निरीक्षण करेगी और स्थानीय निवासियों और अन्य हितधारकों से बातचीत करेगी। इसके निष्कर्ष एक व्यापक रिपोर्ट में योगदान देंगे, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने इस वर्ष 30 नवंबर तक प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। 25 मई, 2026 के एक आदेश में, सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के महानिदेशक की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय उच्चाधिकार समिति का गठन किया। समिति को अरावली पर्वतमाला की पूर्व-निर्धारित परिभाषा और उस परिभाषा के आधार पर पहाड़ियों के सीमांकन की प्रक्रिया की स्वतंत्र रूप से जांच करने का कार्य सौंपा गया था। इस प्रक्रिया का उद्देश्य क्षेत्र की पारिस्थितिक विशेषताओं का आकलन करना और इसके संरक्षण से संबंधित चिंताओं का समाधान करना है। समिति की नवीनतम यात्रा उन क्षेत्रों पर केंद्रित होगी जहां अरावली भूदृश्य, वन पारिस्थितिकी तंत्र, वन्यजीव, खनन गतिविधियां और स्थानीय आजीविका के बीच संबंध विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं। राजस्थान सरकार ने समिति की यात्रा से पहले वन विभाग और स्थानीय क्षेत्र के अधिकारियों को सक्रिय कर दिया है। वन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी क्षेत्र समन्वयक के रूप में कार्य करेंगे, जबकि डूंगरपुर और बांसवाड़ा के उप वन संरक्षक (डीसीएफ) और अन्य क्षेत्र कर्मी निरीक्षण के दौरान समिति के साथ रहेंगे। इन व्यवस्थाओं का उद्देश्य स्थल निरीक्षण को सुगम बनाना, प्रासंगिक क्षेत्र की जानकारी प्रदान करना और समिति तथा स्थानीय हितधारकों के बीच प्रत्यक्ष संवाद स्थापित करना है। समिति ने इससे पहले राजस्थान का पांच दिवसीय दौरा किया था, जिसके दौरान उसने कई स्थानों पर क्षेत्र निरीक्षण किया और हितधारकों से परामर्श किया।

संपादकीय

राजनीति में प्रतिस्पर्धा या प्रतिस्पर्धा में राजनीति

स्पर्द्धा और प्रतिस्पर्द्धा सफलता के दो रास्ते हैं जो लक्ष्य की प्राप्ति तक पहुंचाते हैं। इसमें एक तो स्वयं को मजबूत करना होता है और दूसरा अपने प्रतिस्पर्द्धी को हराकर स्वयं को प्रतिष्ठित करना होता है। दोनों ही रास्ते सकारात्मक और रचनात्मकता से भरे होते हैं लिहाजा इसमें किसी की हार या जीत नहीं बल्कि स्वयं को दूसरों से श्रेष्ठ साबित करने की होती है। और यह सब कुछ प्रतियोगिता के मैदान में होता है जहां वाद, विवाद से होते हुए संवाद के साथ अपनी श्रेष्ठता को साबित करना होता है। देश की राजनीति में अभी स्पर्धा और प्रतिस्पर्धा का खुला खेल चल रहा है। खेल भी ऐसा जिसमें न तो किसी की जीत दिखाई दे रही है और न ही हार। सभी जीतना चाहते हैं, कोई हारना नहीं चाहता। हार को जीत में बदलने की कला का तिलिस्म खुशफहमियों को जरुर बढ़ा देता है। हार को जीत में बदलने वाला सिकंदर तो एक ही होता है। आज की भारतीय राजनीति की विडंबना तो यह है कि हर कोई हारने के बाद भी जीत का जश्न मनाता नजर आ रहा है। हार की विवेचना नहीं, आंकलन नहीं। विपक्षी दलों का हर क्षत्रप खुद की हार का ठीकरा स्वीकारने के बदले, दूसरों पर फोड़ने की प्रतिस्पर्धा में अव्वल है। आंचलिक राजनीति से हाशिये पर जा रहे तेजस्वी यादव, उद्धव ठाकरे, अखिलेश यादव और ममता बनर्जी का दुख तो समझ में आता है लेकिन, कांग्रेस की डगमगाती राजनीति में राहुल गांधी की प्रासंगिकता गौण होने के साथ विपक्ष की राजनीति में भी हाशिये पर आने की संभावनाओं ने उन्हें राजनीति के एंग्रीमेन की भूमिका में ला दिया है। इन दिनों वे राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के इस खेल में नियम भी खुद बना रहे हैं बिगाड़ रहे हैं। जिसका मकसद सिर्फ जीतना ही है, उनके लिए नियमों के कोई मायने नहीं होते। विपक्ष का हर नेता बस येन केन प्रकारेण जीतने में लगा हुआ है। चुनावी राजनीति में, खास कर महाराष्ट्र, दिल्ली, हरियाणा, बिहार के बाद पश्चिमी बंगाल में विपक्ष की करारी हार से उनके नेताओं की राजनीतिक जमीन खोखली हो गई। चुनावी राजनीति के धुरंधर समझे जाने वाले नेताओं का इस तरह का पराभाव उन्होंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था। उद्धव ठाकरे परिवार, हुड्डा परिवार, दीक्षित परिवार, उत्तर प्रदेश और बिहार का यादव परिवार हो या फिर ममता बनर्जी परिवार, सभी मिलकर भी बीजेपी को चुनावी राजनीति में नहीं हरा पाने की खीज अब सड़कों पर उतर कर चुनौती देने को उतर आए हैं। सभी परिवारों को अपनी राजनीतिक हैसियत का भाजपा के साथ साथ सीधे आम जनता से सामना हो रहा है। यही कारण है कि ये सभी एक साथ मिल कर संवैधानिक संस्थाओं की कार्यशैली पर सवालिया निशान लगाते हुए संसद से सड़क तक अपनी राजनीतिक हैसियत का खुला प्रदर्शन कर रहे हैं।

और वो समझे नहीं ये ख़ामोशी क्या चीज़ है

वाणी में तेज का अर्थ होता है शब्दों में प्रभाव, ओज और सच्चाई होना, जो सुनने वाले के मन पर गहरा असर छोड़ता है। जो व्यक्ति कम बोलता है और सच बोलता है, उसकी वाणी में भी स्वाभाविक तेज होता है। कहा जाता है कि जो संयमित और मधुर बोलता है, उसका मन शांत तो होता ही है साथ में शक्तिशाली भी होता है। इसका असर सकारात्मक और रचनात्मक होता है। उसके बोलने का असर होता है, प्रभाव पड़ता है । साहित्य और संगीत में चुप्पी या मौन का अपना गहरा महत्व होता है। और बदलाव का संकेत भी होता है।

कई लोग ऐसे होते हैं, जो इस स्वभाव से जीते हैं। अभाव को भाव में बदलने की क्षमता रखते हैं, और संगतियों को साथ लेकर विसंगतियों को बदलने का माद्दा रखते हैं। नाना कहने वाली बहिन के लिए वे एक भाई के रुप में दुनिया के सामने तो है ही, साथ में पाटेकर के जुड़ जाने से नाना पाटेकर चकाचौंध भरी मायावी मुंबई ही नहीं, कला जगत में साधारण, सरल, सहज और संजीदा इंसान के रुप में सर्वग्राह्य और स्वीकार्य हो गए। खामोशी का अर्थ मौन, चुप्पी, नीरवता या सन्नाटा होता है

वे एक बेहतरीन कलाकार थे, जिन्होंने अलग-अलग किरदारों के माध्यम से दर्शकों का दिल जीता। नाना पाटेकर का जीवन तिरंगे की आन-बान और शान की तरह रहा। उन्होंने समाज में व्याप्त अव्यवस्था पर अपनी फिल्मों के माध्यम से करारा प्रहार किया। वे एक ऐसे क्रांतिवीर थे, जिन्होंने बुराइयों के विरुद्ध काम किया। उनकी वाणी जितनी तेज थी, उनकी खामोशी भी उतनी ही प्रभावी थी।

व्यवस्थाओं में विसंगतियों के खिलाफ यंग एंग्रीमेन का खिताब भले ही अमिताभ बच्चन के साथ जुड़ा हो, लेकिन, असल जिंदगी से लेकर रुपहले पर्दे पर विविध किरदारों को जीते हुए उन्होंने कला जगत में को जो नया आयाम दिया, सिर्फ वे ही उसमें रंग भर सकते थे। रंगों से खेलते हुए बचपन, जवानी की गुरबत ने स्वाभिमान को नई परिभाषा दी और व्यवस्थाओं ने समझौता न करते हुए अपने किरदारों की भाव भंगिमाओं से आम आदमी के गुस्से और क्रोध को प्रतीक



बनाकर उनके दिल और दिमाग को उद्वेलित करने की कला, सिर्फ नाना पाटेकर के पास ही थी। यही कारण है कि नाना पाटेकर में व्यवस्थाओं की विसंगतियों से जुझता हुआ आम इंसान दिखाई देता है जो दो जून की रोटी के लिए सड़क पर संघर्ष करता दिखाई देता है।

आ गए मेरी मौत का तमाशा देखने...नाना पाटेकर के मुंह से क्रांतिवीर में निकला यह संवाद, सिर्फ शब्द नहीं थे, उनमें गुस्सा था, दर्द था, व्यवस्था से टकराने की बेचैनी थी और एक ऐसे आदमी की आवाज थी जो अपने समय से सवाल कर रहा था। यही नाना पाटेकर की खूबी थी कि वे संवाद बोलते नहीं थे, उसे अपने भीतर से निकालते थे। उनकी आवाज का उतार-चढ़ाव, आंखों की बेचैनी, चेहरे का तनाव और अचानक बदलते भाव,सब मिलकर किरदार को ऐसा जीवन दे देते थे कि पर्दे पर अभिनेता नहीं, वही आदमी दिखाई देने लगता था। भारतीय सिनेमा ने बहुत से बड़े अभिनेता देखे हैं, लेकिन नाना पाटेकर जैसा रंगमचीय बॉलीवुड का कलाकार हमेशा अलग ही दिखाई देगा। वे ऐसे कलाकार थे जिन्हें देखकर यह महसूस होता था कि अभिनय सीखा नहीं जाता, बल्कि जीया जाता है। वह नायक बने तो नायक की परंपरागत छवि से अलग नजर आए, खलनायक बने तो भीतर तक डर पैदा किया, पुलिस अधिकारी बने तो उनके चेहरे पर कानून की कठोरता दिखाई दी और जब हास्य की दुनिया में उतरे तो दर्शकों को यह भूलने पर मजबूर कर दिया कि यही अभिनेता कभी पर्दे पर खौफ का दूसरा नाम हुआ करता था।

फिल्मों की दुनिया में कदम रखने से पहले उनका रिश्ता रंगमंच से जुड़ा। थिएटर ने उन्हें वह आधार दिया जिसने आगे चलकर उनके पूरे फिल्मी अभिनय को एक अलग पहचान दी। मंच पर दर्शकों के सामने किरदार को जीवित करने का जो अनुभव उन्होंने हासिल किया, वही बाद में कैमरे के सामने उनकी सबसे बड़ी ताकत बना।उनके चेहरे पर बनावटी चमक नहीं थी। उनकी आवाज में मिठास नहीं थी। उनका व्यक्तित्व भी पारंपरिक नायक जैसा नहीं था। लेकिन शायद यही उनकी सबसे बड़ी खूबी थी। वह पर्दे पर जैसे थे, वैसे ही दिखाई देते थे और इसी वजह से उनके किरदार बेहद वास्तविक लगते थे। परिंदा से उनके अभिनय ने उनके करियर को नई ऊंचाई दी। फिल्म में अन्ना का उनका किरदार क्रूर था, खतरनाक था और भीतर से बेहद अस्थिर भी। नाना ने इस भूमिका को सिर्फ खलनायक की तरह नहीं निभाया। उन्होंने अन्ना के भीतर के डर, गुस्से और हिंसा को भी सामने रखा। इस फिल्म के बाद यह तय हो गया कि नाना पाटेकर उन अभिनेताओं में शामिल हो चुके हैं, जिनके लिए भूमिका का आकार मायने नहीं रखता। किरदार अच्छा हो, तो वह पूरी फिल्म पर अपनी छाप छोड़ सकते हैं। नाना पाटेकर ने कैमरे के सामने अभिनय करने के साथ उसके पीछे की दुनिया को भी समझा। प्रहार: द फाइनल अटैक का निर्देशन में एक सैन्य अधिकारी की भूमिका से उनके व्यक्तित्व का एक दूसरा पहलू सामने आता है। वे केवल अभिनय नहीं, कहानी और उसके पीछे की संवेदना को भी लोगों तक पहुंचाना जानते थे, और ऐसा किया भी। यही वजह है कि उनकी फिल्मों में किरदारों के भीतर की बेचैनी अक्सर साफ दिखाई देती थी। क्रांतिवीर में उन्होंने गुस्से को अभिनय में बदल दिया। उस गुस्से के पीछे व्यवस्था से नाराज एक आदमी था, समाज को लेकर उसकी पीड़ा थी और अपने समय से सवाल करने की हिम्मत थी। उनकी खास बात यह थी कि उन्होंने अपने गुस्से, खामोशी और कॉमेडी से कहानी को जिंदा कर देते थे। यही एक कलाकार की पहचान होती है और वे इसके सच्चे प्रतिनिधि थे। यही उनकी अभिनय शैली थी जिसमें वे अपनी भाव भंगिमाओं से बहुत कुछ कह देते थे। उन्होंने यह साबित कर दिया कि गंभीर और तीखे किरदारों के लिए पहचाने जाने वाला अभिनेता कॉमेडी में भी उतना ही असरदार हो सकता है। उनके निधन के साथ भारतीय सिनेमा का एक ऐसा अध्याय बंद हो गया, जिसकी शुरुआत रंगमंच से हुई थी और जिसका असर हिंदी तथा मराठी फिल्मों की कई पीढ़ियों तक दिखाई दिया। कहते हैं कि कलाकारों की उम्र अक्सर कैलेंडर से नहीं, उनके काम से तय होती है और नाना पाटेकर का काम उन्हें हमेशा जीवित रखेगा। सिनेमा में कई कलाकार आते हैं, कुछ सितारे बनते हैं और कुछ अपनी अलग पहचान छोड़ जाते हैं।

चुनाव आयोग के खिलाफ इंडिया गठबंधन सड़कों पर

चुनाव आयोग के खिलाफ इंडिया गठबंधन सड़कों पर है। गठबंधन के घटक दल पूरे देश में मतदाता सूची में गड़बड़ी के खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं। वहीं, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी इस लड़ाई में पीछे नहीं रहना चाहते हैं।कांग्रेस नेता राहुल गांधी इंडिया गठबंधन के सांसदों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर धरना प्रदर्शन और मार्च करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त पर इस्तीफे का दबाव बनाए रखना चाहते हैं, ताकि आयोग कुछ माह बाद होने वाले विधानसभा चुनाव में गड़बड़ी की हिम्मत नहीं जुटा सके। राहुल गांधी अपने इरादे जताते हुए कह भी दिया कि जब तक मुख्य चुनाव आयुक्त इस्तीफा नहीं देते, हम विरोध बंद नहीं करेंगे। पिछले काफी समय से ज्ञानेश कुमार के मुद्दे पर सारे राजनेता सीजेपी की सक्रियता से अपने को ठगा सा इसलिए महसूस कर रहे हैं कि अमेरिका से आया दीपके कुछ दिनों में लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया और वे कुछ नहीं कर पा रहे। कांग्रेस और सभी दल विपक्ष की भूमिका के खालीपन को भरने के लिए एक बार फिर अपनी सार्थकता को सिद्ध करने के लिए सड़क पर उतर गए हैं, ताकि जनता की नजरों में अपने होने का अहसास करवा सके। कांग्रेस ने अपने प्रदर्शनों के जरिए दरअसल सीजेपी के उठाए जा रहे मसलों को अपने आंदोलन का आधार बना लिया। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयोग के खिलाफ आक्रामक रुख अपना कर सीजेपी के हाथ से मुद्दा छीन लिया। कांग्रेस ज्ञानेश कुमार के मामले पर कोई भी चूक करना नहीं चाहती है। राहुल गांधी हाल के कुछ वर्षों में चुनाव आयोग और भारतीय जनता पार्टी पर वोट चोरी का आरोप लगाते रहे हैं। उनके इन आरोपों को उस समय और बल मिल गया, जब एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की उनके दोनों चुनाव आयुक्तों के बीच असहमति का



दावा किया गया। चुनाव आयोग ने बिना देरी किए इन आरोपों का खंडन किया, लेकिन नीट पेपर लीक आंदोलन से सुर्खियों में आई कॉकरोच जनता पार्टी ने इस मुद्दे को हथियाने की कोशिश की। तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे से उत्साहित अभिजीत दीपके ने तुरंत ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर दी और आंदोलन का ऐलान कर दिया। कॉकरोच जनता पार्टी और कांग्रेस के मुद्दे भले ही एक जैसे हों, लेकिन दोनों ही एक-दूसरे का खुलकर साथ देने से कतरा रहे हैं। अभिजीत दीपके जब जंतर-मंतर पर धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन कर रहे थे तब भी राहुल गांधी वहां नहीं पहुंचे थे। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास के बाहर धरना देकर विपक्षी दलों को भी चौंका दिया था। ऐसा कहा जाता है कि कांग्रेस के इस कार्यक्रम की चर्चा बाकी विपक्षी दलों से नहीं की गई थी। बाद में उन्होंने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे का श्रेय लेने की भी कोशिश की। हालांकि, कई विपक्षी दल भी इसे कॉकरोच जनता पार्टी और अभिजीत दीपके की ही जीत मानते हैं। कांग्रेस ज्ञानेश कुमार के मामले पर कोई भी चूक करना नहीं चाहती है। क्योंकि राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी के साथ-साथ तमाम विपक्षी दल 2014 में केंद्र की सरकार में भाजपा के आने के बाद से लगातार ईवीएम पर सवाल उठाते आ रहे हैं। उनका दावा है कि ईवीएम के जरिए वोटों की हेराफेरी की जाती है। हालांकि, चुनाव आयोग इन आरोपों को झुठलाता रहा है। अब जब ज्ञानेश कुमार के खिलाफ माहौल बनाने की कोशिश की जा रही है तो कांग्रेस अपने उन पुराने आरोपों के दम पर इस आंदोलन को हाथ से नहीं निकलने देना चाहती है। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयोग के खिलाफ आक्रामक रुख अपना लिया है। उन्होंने लगातार दो दिनों तक इस मुद्दे पर आंदोलन किया और जंतर-मंतर जाने की कोशिश की। दोनों को उससे पहले ही हिरासत में लिया गया। बाद में छोड़ भी दिया गया। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा ने तो इस मामले में विपक्षी इंडिया गठबंधन के घटक दलों को भी चौंका दिया है। चुनाव आयोग के खिलाफ इंडिया गठबंधन सड़कों पर है। गठबंधन के घटक दल पूरे देश में मतदाता सूची में गड़बड़ी के खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं। वहीं, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी इस लड़ाई में पीछे नहीं रहना चाहते हैं।कांग्रेस नेता राहुल गांधी इंडिया गठबंधन के सांसदों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर धरना प्रदर्शन और मार्च करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त पर इस्तीफे का दबाव बनाए रखना चाहते हैं, ताकि आयोग कुछ माह बाद होने वाले विधानसभा चुनाव में गड़बड़ी की हिम्मत नहीं जुटा सके। राहुल गांधी अपने इरादे जताते हुए कह भी दिया कि जब तक मुख्य चुनाव आयुक्त इस्तीफा नहीं देते, हम विरोध बंद नहीं करेंगे। राजनीतिक गलियारों में यहा माना जा रहा है कि मतदाता सूची में गड़बड़ी पूरे देश, समाज के हर वर्ग और समुदाय से जुड़ा है। ऐसे में इस मुद्दे के जरिए विपक्षी दल ज्यादा से ज्यादा लोगों की आवाज उठाकर उनका भरोसा जीत सकते हैं। उनके अनुसार मतदाता सूची में गड़बड़ी एक ऐसा मुद्दा है, जिससे पूरे देश में हर वर्ग और समुदाय का मतदाता जुड़ा है। यही वजह है कि इस मुद्दे पर भाजपा बैकफुट पर है। अगले साल कई राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव बंगाल की तरह भाजपा के लिए अहम है। इनमें यूपी और गुजरात शामिल हैं। कांग्रेस का मानना है कि एसआईआर, ईवीएम और चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता की इस लड़ाई में आम मतदाताओं की भागीदारी जरूरी है।

लघु कथा

इस पार न सही

आज फिर वहाँ क्या कर रहे थे?

नदी का बहना मुझे अपनी ओर खींचता है, इसलिए आज भी वहाँ था।

नदी का बहना...? ये क्या बात हुई।

तुम्हीं तो कहा करती थीं कि तुम्हारा प्यार नदी के उस बहाव की तरह है जो ऊर्जा से कभी रिक्त नहीं होता।' उसने कहा।

वो तो ठीक है पर कभी उस बहाव का हिस्सा मत बन जाना।

उसके लिए हिम्मत चाहिए जो मुझमें है या नहीं, मैं नहीं जानता।' उसने चाहा कि वह कह दे पर कह नहीं पाया। कुछ बोलते क्यों नहीं? मैने कहा है कि कभी उसके साथ बह मत जाना। ऐसा कुछ हो गया तो तुम्हें अब क्या फर्क पड़ेगा?' वह यह भी नहीं कह पाया। मौनव्रत ले लिया है क्या?' वो झल्लायी। हाँ! यही समझ लो। अब मौन हो जाना चाहता हूँ। जिंदगी इतनी कठोर सतह है, इसकी तपिश अब सही नहीं जाती। नदी का प्रवाह शायद इस तपिश को समेट ले। या तो बोल नहीं रहे थे और अब बोले हो तो मौन में लिपटी बातें? किसे सज़ा दे रहे हो इन बातों से? ईश्वर कुछ रिश्ते सज़ा देने के लिए ही बनाता है। सज़ा भी उन अपराधों की जो अपनी मरज़ी से नहीं किए जाते। बहुत ख़राब हो तुम। ख़राब ही तो हूँ। ख़राब न होता तो तुमसे मिलने का अपराध कैसे करता। अपराध तो मैंने किया है, सज़ा भी मुझे ही भुगतने दो।

कब तक झूठ बोलोगी तुम?

क्या करूं, और कोई चारा भी तो नहीं है। न इस पार आ पाई, न उस पार जा सकी।' वो भी कहना चाहती थी पर कह न सकी। उत्तर नहीं मिला तो वो उठा और फिर से नदी की ओर बढ़ गया। वह उसे जाते हुए देखती रही। उसकी आँखों में लाचारी के आंसुओं के सिवा कुछ नहीं था। उसके बुझे और थके हुए कदम उस बड़ी नदी की ओर बढे ही थे कि उसके रास्ते में उसकी तीव्र धारा से निकली एक छोटी नदी आ गयी। उसने पूछा, कहाँ जा रहे हो?

उस बड़ी नदी की तीव्र धारा का आलिंगन करने। अब यही मेरी नियति है।' उसने कहा। लगता है नियति से लड़ नहीं पाए! इसीलिए बहकी-बहकी बातें कर रहे हो। जानते हो मैं और मेरा जल उसी बड़ी नदी के साथ तीव्रता से बह रहे थे। हमारी नियति तय थी परन्तु तभी मार्ग में बड़े - बड़े पत्थरों के अवरोध आ गए।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस : मन की बात, मन के साथ

प्रति वर्ष 10 अक्टूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का आरंभ सन् 1992 में हुआ था। इसका उद्देश्य यह है कि लोग शरीर के साथ-साथ मन के स्वास्थ्य पर भी ध्यान दें। हमारे समाज में शरीर के रोग पर तो बात होती है, पर मन के रोग पर चुप्पी साध ली जाती है। यही चुप्पी सबसे बड़ा संकट है। आइये समझते कि न क्या है? हमारा शरीर दिखाई देता है, मन नहीं दिखता। पर मन ही शरीर को चलाता है। जब मन प्रसन्न होता है तो थका हुआ शरीर भी कार्य कर लेता है। जब मन दुखी होता है तो स्वस्थ शरीर भी शिथिल हो जाता है। हमारे ऋषियों ने कहा है ' मन एव मनुष्याणां कारणं बंध मोक्षयो: ' अर्थात मन ही बंधन है और मन ही मुक्ति है। आज के समय में मन के रोग बढ़े हैं। पहले संयुक्त परिवार था, लोग आपस में बात करते थे, सुख-दुख बाँटते थे। अब परिवार छोटे हो गए हैं, लोग एक ही घर में अलग-अलग कमरों में रहते हैं, परस्पर संवाद कम हो गया है। युवा दिन भर यंत्र पर आँख गड़ाए रहता है। वह सैकड़ों लोगों से जुड़ा दिखता है, पर भीतर से अकेला है। मानसिक अस्वस्थता के लक्षण? मानसिक अस्वस्थता का अर्थ पागलपन नहीं है। यह एक व्यापक शब्द है। यदि किसी व्यक्ति को लगातार नींद न आए, भूख कम हो जाए, किसी कार्य में मन न लगे, छोटी-छोटी बात पर क्रोध आए, रोने का मन करे, भविष्य अंधकारमय लगे, तो समझना चाहिए कि मन सहायता माँग रहा है। कभी-कभी मन में घबराहट होती है, हृदय गति बढ़ जाती है, पसीना आता है, लगता है कुछ बुरा होने वाला है। इसे हम अत्यधिक चिंता कहते हैं। कभी मन उदास हो जाता है, कुछ भी अच्छा नहीं लगता, स्वयं को दोषी मानने लगता है, जीवन व्यर्थ लगने लगता है। यह अवसाद की स्थिति है। ये स्थितियाँ किसी के साथ भी आ सकती हैं , छात्र के साथ, किसान के साथ, गृहिणी के साथ, व्यापारी के साथ। इसे हम अत्यधिक चिंता कहते हैं। कभी मन उदास हो जाता है, कुछ भी अच्छा नहीं लगता, स्वयं को दोषी मानने लगता है, जीवन व्यर्थ लगने लगता है। यह अवसाद की स्थिति है। ये स्थितियाँ किसी के साथ भी आ सकती हैं , छात्र के साथ, किसान के साथ, गृहिणी के साथ, व्यापारी के साथ। लखनऊ में गोमती के किनारे रहने वाला वह परिवार जो बाढ़ में घर खो बैठा, उसके मन पर भी गहरा आघात पहुँचा है। वह आघात भी मानसिक स्वास्थ्य का विषय है। समझें कि कारण क्या हैं?पहला कारण है ,अत्यधिक दबाव। परीक्षा में अधिक अंक लाने का दबाव, नौकरी पाने का दबाव, धन कमाने का दबाव। हर व्यक्ति दौड़ रहा है, पर क्यों दौड़ रहा है, यह उसे भी ज्ञात नहीं। दूसरा कारण है,अकेलापन। हम भीड़ में हैं पर एकाकी हैं। हम अपनी बात किसी से कह नहीं पाते। मन की बात मन में ही घुटती रहती है। तीसरा कारण है ,अपेक्षाओं का भार। माता-पिता की अपेक्षा, समाज की अपेक्षा, स्वयं की अपेक्षा। जब अपेक्षा पूरी नहीं होती तो मन टूट जाता है। चौथा कारण है ,जीवन शैली। रात में देर तक जागना, समय पर भोजन न करना, शारीरिक श्रम न करना, प्रकृति से दूर होना। अब समझें इसका समाधान क्या है? मानसिक स्वास्थ्य का समाधान केवल औषधि नहीं है। औषधि आवश्यक होने पर लेनी चाहिए, पर उसके साथ जीवन में परिवर्तन भी आवश्यक है। सबसे पहला उपाय है , बात करना। मन की बात कहना। मित्र से, परिवार से, गुरु से। बात करने से मन हल्का होता है। यदि कोई सुनने वाला न मिले तो किसी विशेषज्ञ से बात करनी चाहिए। विशेषज्ञ से बात करना लज्जा का विषय नहीं, समझदारी का विषय है। जैसे हृदय रोग के लिए हृदय विशेषज्ञ के पास जाते हैं, वैसे ही मन के लिए मन विशेषज्ञ के पास जाना चाहिए। दूसरा उपाय है ,सुनना। जब कोई अपनी पीड़ा कहे तो उसे ध्यान से सुनना। उपदेश न देना, न्यायाधीश न बनना। केवल सुनना। कई बार सुनने से ही आधी पीड़ा कम हो जाती है। तीसरा उपाय है ,दिनचर्या। प्रात: जल्दी उठना, टहलना, योग और प्राणायाम करना, समय पर भोजन करना। गीता में कहा गया है - युक्त आहार विहारस्य। अर्थात संतुलित आहार और विहार ही सुख का आधार है। चौथा उपाय है, प्रकृति से जुड़ना। गोमती के किनारे बैठना, वृक्षों को देखना, बच्चों के साथ खेलना। यंत्रों से कुछ समय दूर रहना। दिन में कम से कम एक घंटा बिना किसी यंत्र के व्यतीत करना। पाँचवाँ उपाय है, सेवा। जब हम दूसरों की सहायता करते हैं तो हमें अपने जीवन का अर्थ मिलता है। क्या है इसमें समाज की भूमिका? हमारे समाज में आज भी मानसिक रोग को छिपाया जाता है। लोग कहते हैं , यह तो कमजोर मन का व्यक्ति है। यह सोच गलत है। जिस प्रकार शरीर बीमार हो सकता है, उसी प्रकार मन भी अस्वस्थ हो सकता है। इसमें व्यक्ति का दोष नहीं। विद्यालयों में, महाविद्यालयों में, कार्यालयों में मन के स्वास्थ्य पर चर्चा होनी चाहिए। शिक्षकों को, अधिकारियों को यह सिखाना चाहिए कि वे अपने छात्रों और कर्मचारियों के मन की दशा को समझें। परिवार में भी हमें अपने बच्चों से केवल अंक के बारे में नहीं, उनके मन के बारे में भी पूछना चाहिए , आज तुम्हारा मन कैसा है? विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस हमें याद दिलाता है कि सुखी जीवन का आधार केवल धन, पद या यश नहीं है, स्वस्थ मन भी है। स्वस्थ मन ही स्वस्थ समाज बनाता है। आओ, इस दिवस पर हम संकल्प लें कि हम स्वयं के मन का ध्यान रखेंगे, और दूसरों के मन का सम्मान करेंगे। किसी को अकेला नहीं छोड़ेंगे। क्योंकि मन की पीड़ा दिखाई नहीं देती, पर वह सबसे गहरी होती है। और मन की सहायता भी दिखाई नहीं देती, पर वह सबसे बड़ी सहायता होती है।

निर्वाचन अधिकारी एवं जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक ने किया सांभरलेक उपखण्ड व कालवाड़ का दौरा

संचार जगत

जयपुर। पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव के मद्देनजर जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) संदेश नायक एवं जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद ने सांभरलेक एवं कालवाड़ का दौरा कर चुनाव तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उपखण्ड कार्यालय में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित कर निर्वाचन तैयारियों एवं कानून-व्यवस्था की समीक्षा की गई। अधिकारियों को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव सम्पन्न कराने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान केन्द्रों पर आवश्यक व्यवस्थाओं, संवेदनशील मतदान केन्द्रों की स्थिति तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने से संबंधित तैयारियों पर चर्चा की । जिला कलक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने निर्वाचन आयोग के निर्देशों की पालना सुनिश्चित करने तथा चुनाव प्रक्रिया के दौरान सतर्कता एवं आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में उपखण्ड अधिकारी सांभरलेक ऋषिराज कपिल, उपखण्ड अधिकारी जयपुर खुशबू शर्मा,एसीएम अभिषेक कुमार सिंह, पुलिस उपाधीक्षक मुकेश कुमार जोशी, विकास अधिकारी रश्मि मीना, तहसीलदार पवन कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पंचायती राज चुनावः दूसरे दिन जिला परिषद सदस्य के लिए 3 नामांकन प्राप्त

आठ पंचायत समितियों के 146 वार्डों में दूसरे दिन भी नहीं हुआ कोई नामांकन

संचार जगत

जयपुर। जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) संदेश नायक ने बताया कि पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव के प्रथम चरण के तहत जिला परिषद सदस्यों के नाम निर्देशन की स्थिति के अनुसार 9 अक्टूबर को वार्ड संख्या 38 से 50 के लिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 3 नाम निर्देशन पत्र प्राप्त हुए। जिला परिषद के शेष वार्डों में कोई नाम निर्देशन पत्र प्राप्त नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि पंचायत समिति सदस्यों के लिए गोविन्दगढ़, चौमूं, किशनगढ़-रेनवाल, जोबनेर, झोटवाड़ा, सांभर, दूदू एवं मौजमाबाद पंचायत समितियों के कुल 146 वार्डों में दूसरे दिन भी किसी राजनीतिक दल अथवा अन्य श्रेणी से कोई नाम निर्देशन पत्र प्राप्त नहीं हुआ।

गोशालाओं की समस्याओं के समाधान के लिए बनेगी कमेटी



संचार जगत

जयपुर। प्रदेश की गोशालाओं की समस्याओं के समाधान और उनकी मांगों पर विचार करने के लिए सरकार की ओर से कमेटी बनाई जाएगी। यह कमेटी तीन महीने में अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगी। शुक्रवार को टोंक रोड स्थित श्री पिंजरापोल गोशाला में राजस्थान गोसेवा समिति के बैनर तले आयोजित गो अधिकार हुंकार रैली एवं महासम्मेलन में गोशाला संचालकों ने बकाया राशि की वसूली का विरोध करते हुए लंबित सब्सिडी का भुगतान जल्द करने सहित कई मांगें उठाईं। महासम्मेलन में प्रदेशभर से हजारों गोसेवक और गोशाला संचालक शामिल हुए। इस दौरान गोशालाओं के खातों से ऑडिट रिकवरी के नाम पर निकाली गई करीब 100 करोड़ रुपए की राशि का मुद्दा उठाया गया। संचालकों ने गोशालाओं को समय पर सब्सिडी देने, पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था करने और गोवंश की देखभाल के लिए जमीन आवंटित करने की मांग की। बकाया राशि की वसूली नहीं करने का भरोसा अखिल भारतीय गो सेवा सहयोग परिषद के अंतरराष्ट्रीय संयोजक अतुल गुप्ता ने बताया कि महासम्मेलन में राज्य सरकार की ओर से मंत्री केके बिश्नोई और जोगाराम कुमावत शामिल हुए। उन्होंने बताया कि सरकार की ओर से गोशालाओं के लिए तीन महीने के विशेष पैकेज के तहत 400 करोड़ रुपए दिए गए हैं। साथ ही अप्रैल से जुलाई तक चार महीने की सब्सिडी अग्रिम देने की बात भी कही गई है। गुप्ता के अनुसार, सरकार ने गोशालाओं से बकाया राशि की वसूली नहीं करने का भरोसा दिया है। गोशालाओं की समस्याओं और मांगों पर विचार कर समाधान के लिए कमेटी गठित की जाएगी। यह कमेटी तीन महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगी।

चारा, पानी और इलाज के खर्च की चिंता महासम्मेलन में द्वारिका पीठ के शंकराचार्य सदानंद सरस्वती और मलूक पीठाधीश्वर राजेंद्र दास महाराज भी पहुंचे। शंकराचार्य सदानंद सरस्वती ने अपने संबोधन में कहा कि गोवंश की देखभाल के लिए समाज और सरकार, दोनों की भागीदारी जरूरी है। गोशालाओं में चारे, पानी और पशुओं के उपचार की पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए। राजस्थान गोसेवा समिति के प्रदेश अध्यक्ष महंत गोविन्दराम शास्त्री ने कहा कि प्रदेश की हजारों गोशालाएं निराश्रित गोवंश की देखभाल कर रही हैं। सब्सिडी समय पर नहीं मिलने के कारण चारे, पानी और पशुओं के इलाज का खर्च चलाने में परेशानी आती है। उन्होंने सरकार से सब्सिडी भुगतान के लिए निश्चित कैलेंडर बनाने और लंबित राशि जल्द जारी करने की मांग की। गोशाला संचालकों का कहना था कि समय पर आर्थिक सहायता मिलने से निराश्रित गोवंश की देखभाल बेहतर तरीके से की जा सकेगी।

'राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181' का निरीक्षण

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा वीडियो कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से सीधे परिवादी से हुए रूबरू

संचार जगत



जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान और प्रत्येक नागरिक को समयबद्ध राहत उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। आमजन की समस्याओं का समाधान, प्रशासनिक जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। हमारा प्रयास है कि राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन-181 प्रत्येक नागरिक की शिकायत के समाधान का त्वरित माध्यम बने तथा आमजन को समयबद्ध राहत मिल सके। शुक्रवार को जयपुर के शासन सचिवालय स्थित 'राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181' का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वयं परिवादियों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने गंगापुरसिटी के विकास कुमार से फोन पर उनके क्षेत्र में क्षतिग्रस्त पाइपलाइन की समस्या को संवेदनशीलता के साथ सुना एवं परिवादी को समस्या के शीघ्र समाधान का आश्वासन देते हुए अधिकारियों को तुरंत कार्यवाही के निर्देश दिए, जिसकी अनुपालना में स्थानीय प्रशासन द्वारा कुछ घंटे बाद ही क्षतिग्रस्त पाइपलाइन को दुरुस्त कर दिया गया।

नेक्स्ट जनरेशन 'संपर्क GPT की कार्यप्रणाली का किया अवलोकन

मुख्यमंत्री ने नेक्स्ट जनरेशन राजस्थान संपर्क की कार्यप्रणाली का अवलोकन किया। उन्होंने शिकायतों के विश्लेषण प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी ली एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित 'संपर्क त्वक्ष्ण' के कार्यों और विश्लेषण क्षमता का निरीक्षण किया। उन्होंने शिकायतों के विश्लेषण पर जोर देते हुए कहा कि सभी विभागों को तकनीक आधारित विश्लेषण का उपयोग कर जनसमस्याओं के मूल कारणों की पहचान करनी चाहिए। इससे जनसमस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाए जा सकेंगे और आमजन को राहत मिलेगी। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री वीडियो कॉल के जरिये भी झालावाड़ के परिवादी अनीष एवं सवाईमाधोपुर के परिवादी रिंकू कुमार से सीधे रूबरू हुए। इस दौरान परिवेदना से संबंधित विभाग के अधिकारी भी वीडियो कॉल पर मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने परिवादी की समस्या को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही उसके निस्तारण के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को परिवादियों की समस्याओं को सीधे सुनने तथा उनके समाधान की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को रात्रि में प्राप्त होने वाली सभी शिकायतों को आपात स्थिति मानते हुए संबंधित अधिकारी से समन्वय कर तत्काल समाधान के लिए निर्देशित किया। उन्होंने राजस्थान संपर्क पर प्राप्त होने वाली परिवेदनाओं की विभागवार प्रभावी मॉनिटरिंग करने एवं अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के विश्लेषण के माध्यम से आमजन की प्रमुख समस्याओं और उन क्षेत्रों की पहचान की जानी चाहिए, जहां नागरिकों को बार-बार कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। संबंधित विभाग इन पहलुओं का आकलन कर समस्याओं के स्थायी समाधान की दिशा में कार्य करें, ताकि शिकायतों के निस्तारण के साथ ही उनकी पुनरावृत्ति भी रोकी जा सके। मुख्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान क्वालिटी परफॉरमेंस डेशबोर्ड, हेल्पलाइन सेंटर की कार्यप्रणाली, शिकायत पंजीकरण, फॉलो-अप एवं मॉनिटरिंग व्यवस्था की विस्तृत जानकारी ली।

जयपुर में 10-11 अक्टूबर को बदलेगी यातायात व्यवस्था

आमेर और चारदीवारी क्षेत्र में रहेगा डायवर्जन, पर्यटक बसों की पार्किंग रामनिवास बाग में

संचार जगत



जयपुर। पर्यटन सीजन के दौरान पर्यटक स्थलों, धार्मिक स्थलों और बाजारों में बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए जयपुर में 10 और 11 अक्टूबर को यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। आमेर दुर्ग और चारदीवारी क्षेत्र में वाहनों का दबाव बढ़ने पर यातायात को निर्धारित मार्गों से संचालित किया जाएगा। ऐसे में आमेर जाने वाले पर्यटकों और चारदीवारी क्षेत्र में आने-जाने वाले लोगों को बदले हुए मार्गों का ध्यान रखना होगा। यातायात व्यवस्था के तहत बड़ी पर्यटक बसों की पार्किंग रामनिवास बाग में निर्धारित की गई है। वहीं, चारदीवारी क्षेत्र में माल लाने-ले जाने वाले वाहनों को रात 11 बजे से सुबह 7 बजे तक ही प्रवेश दिया जाएगा। यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से निर्धारित पार्किंग स्थलों का उपयोग करने की अपील की है।

दिल्ली रोड की ओर से आमेर दुर्ग जाने वाले पर्यटक वाहन आमेर तिराहा से धोबीघाट चौराहा, रामगढ़ मोड़ और आमेर रोड होते हुए दुर्ग तक पहुंच सकेंगे। रामगढ़ मोड़ से आमेर की ओर सामान्य यातायात जारी रहेगा। वहीं, जयगढ़ टी-पॉइंट से रामगढ़ मोड़ की ओर यातायात बंद रहेगा। जयगढ़ टी-पॉइंट से वाहन आमेर की तरफ जा सकेंगे। आमेर से रामगढ़ मोड़ की ओर भी यातायात बंद रहेगा। इसके अलावा आमेर तिराहा से गांधी चौक की ओर वाहनों की आवाजाही नहीं हो सकेगी। आमेर से जयपुर आने वाले वाहन आमेर तिराहा, दिल्ली रोड, गलता गेट चौराहा और ट्रांसपोर्ट नगर चौराहा होते हुए शहर में प्रवेश कर सकेंगे।

बड़ी पर्यटक बसों के लिए रामनिवास बाग में पार्किंग की व्यवस्था की गई है। पर्यटक वाहनों की सुविधा के लिए पुरातत्व विभाग की ओर से तैयार की जा रही परियों का बाग पार्किंग को अस्थायी रूप से शुरू करने का प्रस्ताव भी है।

चारदीवारी क्षेत्र के व्यापारियों को अपने वाहन रामनिवास बाग स्थित जेडीए की भूमिगत पार्किंग, चौगान स्टेडियम और आतिश मार्केट के अंदर निर्धारित पार्किंग स्थलों पर खड़े करने होंगे। इसके अलावा, मार्गों पर यातायात का दबाव कम रखने के लिए मार्ग परमिट वाली बसों, मिनी बसों और सिटी बसों का संचालन जरूरत के अनुसार वैकल्पिक समानांतर मार्गों से किया जाएगा। यातायात पुलिस ने पर्यटकों, व्यापारियों और आमजन से अपील की है कि वे यात्रा के दौरान निर्धारित मार्गों का पालन करें तथा असुविधा से बचने के लिए अपने वाहनों को तय पार्किंग स्थलों पर ही खड़ा करें।

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल की पहली वक्ता सूची जारी

नोबेल विजेता एस्थर डुफ्लो और ओल्गा टोकार्चुक भी आएंगी, 14 से 18 जनवरी तक होगा आयोजन

संचार जगत



जयपुर। जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के 20वें संस्करण की तैयारियां शुरू हो गई हैं। आयोजकों ने जनवरी 2027 में होने वाले इस प्रतिष्ठित साहित्यिक आयोजन के लिए वक्ताओं की पहली सूची जारी कर दी है। इसमें नोबेल पुरस्कार विजेताओं के साथ बुकर और पुलित्जर पुरस्कार से सम्मानित लेखक, वैज्ञानिक, इतिहासकार, अर्थशास्त्री, पत्रकार, कलाकार और शिक्षाविद शामिल हैं। फेस्टिवल का आयोजन 14 से 18 जनवरी 2027 तक जयपुर के होटल क्लार्क्स आमेर में होगा। आयोजन के दो दशक पूरे होने के अवसर पर इस बार साहित्य के साथ विज्ञान, इतिहास, राजनीति, अर्थव्यवस्था, कानून, तकनीक, फैशन और कला जैसे विषयों पर भी चर्चा होगी। अंतरराष्ट्रीय हस्तियों के साथ भारतीय भाषाओं के लेखकों और विचारकों को भी मंच प्रदान किया जाएगा। नोबेल विजेताओं सहित कई अंतरराष्ट्रीय हस्तियां होंगी शामिल पहली वक्ता सूची में अर्थशास्त्र के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार प्राप्त एस्थर डुफ्लो और साहित्य के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित पोलैंड की लेखिका ओल्गा टोकार्चुक प्रमुख नाम हैं। इनके अलावा ब्रिटिश अभिनेत्री एवं लेखिका डेम मीरा सयाल, बीबीसी की पत्रकार लीज डूसे, लेखक और साहित्यिक आलोचक जेम्स वुड, लेखिका इसाबेला हम्माद, गणितज्ञ मार्कस डू सॉटॉय और जीवाश्म विज्ञानी स्टीव ब्रुसैट भी शामिल होंगे। सूची में तहमीमा अनम, उमर अल अक्काद, अवनि दोशी, करण महाजन, वली नस्र और डेविड वैन रेब्रुक जैसे लेखक और विचारक भी हैं। वहीं, फैशन डिजाइनर प्रबल गुरुंग, उद्यमी किरण मजूमदार शॉ, लेखिका सुधा मूर्ति और शिक्षाविद होमी के. भाभा की मौजूदगी से विभिन्न क्षेत्रों के विचारों और अनुभवों को साझा करने का अवसर मिलेगा। गणित के क्षेत्र में अपने योगदान के लिए पहचाने जाने वाले मार्कस डू सॉटॉय विज्ञान को आम लोगों तक पहुंचाने के अनुभव साझा करेंगे।

वहीं, जीवाश्म विज्ञानी स्टीव ब्रुसैट प्राकृतिक इतिहास और विज्ञान से जुड़े विषयों पर चर्चा करेंगे। भारतीय भाषाओं के साहित्य को मिलेगा मंचफेस्टिवल के 20वें संस्करण में भारतीय भाषाओं की विविधता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। हिंदी, तमिल, मलयालम, असमिया, कोंकणी, कन्नड़, मराठी, भोजपुरी, सिंधी और मणिपुरी सहित विभिन्न भाषाओं की साहित्यिक परंपराओं को प्रस्तुत किया जाएगा। हिंदी की चर्चित कवयित्री अनामिका, संस्कृत के विद्वान राधावल्लभ त्रिपाठी, असमिया लेखक ध्रुवज्योति बोरा, मराठी नाटककार मकरंद साठे, मलयालम के लेखक पॉल जकारिया, कोंकणी साहित्यकार दामोदर मौजो, कन्नड़ लेखक वसुधेंद्र और गुजराती लेखक राम मोरी इस सूची में शामिल हैं। हिंदी और भोजपुरी के लेखक गौतम चौबे तथा तमिल और मलयालम में लेखन के लिए पहचाने जाने वाले बी. जयमोहन भी आयोजन का हिस्सा बनेंगे।राजनीति, लोकतंत्र और पहचान पर भी विमर्श साहित्यिक चर्चाओं के साथ वैश्विक राजनीति, साम्राज्यों और प्रवासन का इतिहास, जाति, लोकतंत्र, संघर्ष, पहचान और सामाजिक संबंधों जैसे विषयों पर भी विचार-विमर्श होगा। अलग-अलग देशों और पीढ़ियों के लेखक तथा विचारक अपने अनुभवों के माध्यम से इन मुद्दों के विभिन्न पहलुओं को सामने रखेंगे। इस क्रम में पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस.वाई. कुरैशी, वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह और सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश संजय किशन कौल भी वक्ताओं की सूची में शामिल हैं।

मुख्य सचिव ने राज्य कार्यकारी समिति की बैठक में आपदा प्रबंधन परियोजनाओं की समीक्षा की

संचार जगत

जयपुर। आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के तहत गठित राज्य कार्यकारी समिति की बैठक शुक्रवार को मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में शासन सचिवालय में आयोजित हुई। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव, गृह तथा आपदा प्रबंधन, राहत और नागरिक सुरक्षा विभाग भास्कर सावंत सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। भास्कर सावंत ने विस्तृत पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से समिति की विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति से अवगत कराया।

प्रवासी राजस्थानी दिवस की तैयारियां तेज

मुख्य सचिव ने की समीक्षा, सभी तैयारियां समय से पूर्व पूरी करने के दिए निर्देश

संचार जगत



जयपुर। उद्योग एवं वाणिज्य विभाग ने प्रवासी राजस्थानी दिवस कार्यक्रम की तैयारियां तेज कर दी हैं और आयोजन की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया जा रहा है। मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास ने शुक्रवार को शासन सचिवालय में संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर आयोजन की तैयारियों की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि प्रवासी राजस्थानियों और उद्योगपतियों के स्वागत, होटल, परिवहन, सुरक्षा, यातायात, शहर के सौंदर्यीकरण और प्रचार-प्रसार सहित सभी तैयारियों को समय से पूर्व पूरी कर ली जाएं। साथ ही, मुख्य समारोह में निवेश परियोजनाओं की ग्राउंड ब्रेकिंग, प्रवासी राजस्थानी सम्मान पुरस्कार, सेक्टोरल सत्रों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों सहित सभी गतिविधियों के लिए संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें। बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री शिखर अग्रवाल ने बताया कि मुख्य आयोजन 10 दिसंबर को जयपुर स्थित जेईसीसी में होगा। उद्घाटन सत्र के साथ ही प्रवासी राजस्थानी, उद्योग, पर्यटन, ऊर्जा, नगरीय विकास और खनिज पर आधारित 6 सेक्टोरल सत्र आयोजित किए जाएंगे। मुख्य आयोजन में 4 हजार से अधिक प्रवासी और उद्योगपति शामिल होंगे। इस दौरान राइजिंग राजस्थान के तहत प्राप्त निवेश प्रस्तावों की ग्राउंड ब्रेकिंग भी की जाएगी।

बैठक में बताया गया कि देश-विदेश में बसे प्रवासी राजस्थानियों और उद्योगपतियों को आयोजन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। इसके क्रम में बेंगलुरू, भुवनेश्वर, कोलकाता और गुवाहाटी में प्रवासी राजस्थानी मीट का आयोजन किया जा चुका है। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 में 10 दिसंबर को हर वर्ष प्रवासी राजस्थानी दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। इस क्रम में दूसरा प्रवासी दिवस आगामी 10 दिसंबर आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रवासी राजस्थानियों को एक मंच प्रदान करना और उन्हें अपनी जड़ों से जोड़ना है।

पूर्व मंत्री के बेटे-बेटी का भी नाम, 5 साल का बैन लगाया

राजस्थान : 322 नेता पंचायत चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य

संचार जगत

जयपुर। राजस्थान में पूर्व मंत्री के बेटे-बेटी सहित 322 पूर्व सरपंच, उपसरपंच, पंच और प्रधान इस बार चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। पंचायतीराज विभाग ने एक लिस्ट तैयार करके राज्य निर्वाचन आयोग को भेजी थी। विभाग ने आयोग से जनप्रतिनिधियों को 5 वर्ष के लिए चुनाव लड़ने से बैन करने सिफारिश की थी। इसके बाद आयोग ने बैन लगा दिया। लिस्ट में पूर्ववर्ती गहलोत सरकार में मंत्री रहीं जाहिदा खान के बेटे और बेटी का नाम भी शामिल है। इन पर अनियमितता के आरोप लगे थे। राज्य निर्वाचन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि पंचायती राज ने अयोग्य



ठहराए गए जनप्रतिनिधि चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। पढ़िए पूरी रिपोर्ट... मामला क्या था? : पूर्व मंत्री के बेटे साजिद खान सितंबर 2021 में भरतपुर (वर्तमान डीग) जिले की पहाड़ी पंचायत समिति से निर्विरोध प्रधान चुने गए थे। साजिद पर 2 आरोप लगे थे। पहला आरोप था कि पिछले विधानसभा चुनाव की आचार संहिता के दौरान विकास कार्यों के लिए 54 लाख रुपए का भुगतान कर दिया गया। वित्तीय शक्तियां नहीं होने के बाद भी 4 करोड़ 50 लाख का भुगतान प्रधान की ओर से किया गया था। साथ ही एफएफसी योजना में ग्रेवल सड़क (एक तरह से कच्ची सड़क) अनुमत नहीं होने के बाद भी भी ग्रेवल सड़क की स्वीकृति निकालकर 5 लाख का भुगतान कर दिया। दूसरा आरोप यह था कि पहाड़ी पंचायत समिति का प्रधान अवैध खनन करवा रहा है। भरतपुर जिले के सामाजिक कार्यकर्ता विजय मिश्रा ने खोह पुलिस थाने में साजिद खान के खिलाफ शिकायत भी दर्ज कराई थी। सरकार का एक्शनः राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद फरवरी 2024 में भजनलाल सरकार ने अनियमितता के आरोपों के चलते साजिद खान को प्रधान पद से निलंबित कर दिया था।

बेटी शहनाज खान, पूर्व कामां प्रधान

मामला क्या था?: पूर्व मंत्री जाहिदा खान की बेटी शहनाज खान पर पद पर रहते हुए अनियमित भुगतान और विभिन्न योजनाओं की स्वीकृतियां जारी करने में गड़बड़ियों का आरोप लगा था। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के अतिरिक्त आयुक्त एवं शासन उप सचिव द्वितीय (जांच) ने जारी आदेश में कहा- कामां पंचायत समिति में अनियमित भुगतान करने एवं विभिन्न योजनाओं में स्वीकृतियां जारी करने में गड़बड़ी की है। सदस्यता समाप्त : राजस्थान पंचायती राज अधिनियम 1994 की धारा 38(4) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए शहनाज खान को 6 मार्च, 2024 को ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग ने प्रधान के पद से निलंबित कर दिया था। इसके बाद अगस्त 2025 में पंचायती राज विभाग ने शहनाज खान की कामां पंचायत समिति (वार्ड संख्या-13) की सदस्यता भी रद्द कर दी थी।

राजस्थान में कल से आंधी-बारिश का यलो अलर्ट



संचार जगत

जयपुर। राजस्थान के 3 जिलों में 10 और 11 अक्टूबर को आंधी-बारिश का यलो अलर्ट है। मौसम विभाग के अनुसार 10 अक्टूबर से पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव होगा। उसके असर से बीकानेर संभाग और सीकर, झुंझुनूं एरिया में बादल छाने के साथ कहीं-कहीं हल्की बारिश या बूंदाबांदी होने की संभावना जताई है। वहीं कई शहरों में रात का तापमान गिरने से ठंडक बढ़ गई। शेखावाटी के सीकर, फतेहपुर एरिया में न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुआ। नागौर, टोंक, सिरोही में रात में ठंडक रही। हालांकि, दिन में अब भी तेज गर्मी है।

पिलानी में 39.7 डिग्री तापमानः राजस्थान में पिछले 24 घंटे का मौसम देखें तो गुरुवार को सभी शहरों में पूरे दिन आसमान साफ रहा और धूप रही। सभी शहरों का तापमान 35 से 40 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज हुआ। पिलानी में सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान 39.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं चूरू-जैसलमेर में 38.5 डिग्री तापमान रहा। अधिकतर शहरों में दिन में तेज गर्मी है। शेखावाटी में रात का पारा गिराः शेखावाटी के सीकर, फतेहपुर, चूरू के अलावा नागौर और आसपास एरिया में रात में ठंडक बढ़ गई। इन इलाकों में न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस या उससे नीचे दर्ज रहा। सीकर में गुरुवार को न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जयपुर में दिन का तापमान गिराः राजधानी जयपुर में गुरुवार को भी दिनभर आसमान साफ रहा और धूप रही। हल्की हवा चलने से तापमान में 1 डिग्री तक गिरावट हुई। जयपुर में अधिकतम तापमान 36.1 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। मौसम विभाग ने जयपुर में अगले दो दिन मौसम ड्राई रहने का अनुमान जताया है।

बॉलीवुड एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर, अंजनी धवन जयपुर आईं



संचार जगत

जयपुर। बॉलीवुड एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर शुक्रवार सुबह जयपुर पहुंचीं। वे एक फैशन इवेंट में शामिल होने आई है। जयपुर एयरपोर्ट पर उनका अंदाज कुछ अलग नजर आया। वह मीडिया कैमरों से बचते हुए बाहर निकलने की कोशिश करती दिखाई दीं, हालांकि इस दौरान वह कैमरे में कैद हो गईं। बॉलीवुड एक्ट्रेस अंजनी धवन और बॉलीवुड सिंगर शिबानी कश्यप भी एयरपोर्ट पर स्पोर्ट हुई। एक दिन पहले एक्टर जैकी भगनानी भी रकुल प्रीत सिंह के साथ जयपुर आ गए थे। उन्होंने अपनी पत्नी रकुल का बर्थ-डे स्पेशल बनाने के लिए खासतौर पर सवाई माधोपुर के पास बरवाड़ा स्थित सिक्स सेंसेज फोर्ट को चुना है।

जोधपुर मेडिकल कॉलेज में रैगिंग की शिकायत

संचार जगत

जोधपुर। डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज में रैगिंग की शिकायत मामले में प्रारंभिक जांच हो चुकी है। कॉलेज प्रशासन का दावा है कि शिकायत को लेकर अभी ऐसा कोई मामला सामने नहीं आया है। मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. बीएस जोधा ने बताया- शिकायत के बाद सभी स्टूडेंट्स से बातचीत की गई। इसमें स्टूडेंट ने कुछ नहीं बताया। वहीं उन्होंने बताया कि स्टूडेंट्स के मोबाइल नंबर इंटरनेट पर उपलब्ध हैं। हो सकता है कि किसी ने इन नंबर का मिस यूज किया हो। इसकी जांच शुरू कर दी है। कॉलेज में बुधवार दोपहर को शिकायत का ईमेल आया था। ये शिकायत गर्ल्स हॉस्टल से जुड़ी हुई है। हालांकि ये शिकायत किसने की है। इसके बारे में अभी तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन शिकायत में बताया गया कि एक सीनियर ने 90 लोगों के नंबर भेजे और कहा कि इन्हें बॉस कहकर बुलाना है। इनसे आई कॉन्टैक्ट नहीं करना है। इस शिकायत के बाद गुरुवार को डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज की एंटी रैगिंग टीम की ओर से इस मामले की जांच शुरू की गई थी।

जयपुर में पाली के कांग्रेस पार्षदों का हंगामा

संचार जगत

जयपुर। शहरी निकाय चुनाव में ज्यादा पार्षद जीतने के बावजूद बोर्ड नहीं बनाने और क्रॉस वोटिंग को लेकर कांग्रेस में गुटबाजी और विवाद बढ़ गया है। पूर्व विधानसभा स्पीकर सीपी जोशी की अध्यक्षता में कमेटी इस भीतरघात की जांच कर रही है। इसे लेकर आज जयपुर में बैठक हुई, जिसमें कमेटी ने कई शहरी निकायों के नेताओं को सुनवाई के लिए बुला रखा था। पाली से आए बागी गुट के कांग्रेस पार्षदों ने जयपुर में कांग्रेस वॉर रूम में हंगामा कर दिया। सुनवाई नहीं करने का आरोप लगाते हुए डॉ. सीपी जोशी से मिलने की मांग उठाई, लेकिन जोशी ने उन्हें प्रदेशाध्यक्ष से मिलने को कहा।

पाली से आए कांग्रेस नेताओं ने सीपी जोशी से मिलकर निकाय चुनावों में जीतने के बावजूद मेयर नहीं बना पाने के मामले में अपना पक्ष रखा। कांग्रेस नेताओं ने राजबाला हिंगड़ गुट



पर क्रॉस वोटिंग और पार्टी को हरवाने का आरोप लगाया। दूसरी तरफ राजगाला हिंगड़ गुट के बागी पार्षदों ने सीपी जोशी से मिलकर शिकायत सुनने की मांग रखी लेकिन उन्हें वक्त नहीं दिया। सीपी जोशी जब बैठक से बाहर आए तो बागी गुट के पार्षदों ने उन्हें अपना पक्ष रखने की मांग दोहराई। इस पर सीपी जोशी ने पार्षदों को कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष से मिलने की सलाह दी। काफी देर तक पार्षद जिद पर अड़े रहे लेकिन जोशी नहीं माने और रवाना हो गए। जोशी बोले- मेरी कमेटी का काम आपसे मिलने का नहीं, सीपी जोशी ने पार्षदों से कहा कि मेरी कमेटी का काम आपसे मिलने का नहीं है। आप आए हो अच्छी बात है लेकिन आप मुझसे नहीं कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष से मिलिए। उनसे मिलकर अपनी बात रखिए, मेरा काम दूसरा है। सीपी जोशी के समझाने के बावजूद भी पार्षद जिद पर अड़े रहे। सीपी जोशी दो टूक कहकर गाड़ी में बैठकर वॉर रूम से निकल गए। जोशी के जाने के बाद पार्षदों ने नाराजगी जताते हुए हंगामा किया।

गलत उम्मीदवार को टिकट देने से कांग्रेस हारी

बागी पार्षदों ने कहा कि हमारी कोई बात सुनने वाला ही नहीं है। पाली में जीतने के बावजूद हम हार गए, इसके पीछे गलत उम्मीदवार को टिकट देना है। हमारी सुनी ही नहीं गई। हम मिलकर अपना पक्ष रखना चाहते थे लेकिन यहां किसी को कांग्रेस की चिंता ही नहीं है।

जयपुर में हाउसिंग बोर्ड ने हटाए अतिक्रमण

संचार जगत



जयपुर। हाउसिंग बोर्ड ने इंदिरा गांधी नगर 200 फीट रोड से अति?क्रमण हटाने की कार्रवाई की। बोर्ड प्रशासन ने शुक्रवार को इन सभी स्ट्रक्चरों को जेसीबी से तोड़ा। सुबह करीब 11 बजे शुरू हुई कार्रवाई दोपहर डेढ़ बजे तक चली। इस दौरान रोड से करीब 20 स्ट्रक्चर तोड़े गए, जिसमें 5 दुकानें और कुछ खाली पड़े पुराने मकान थे। इससे पहले बोर्ड प्रशासन ने स्ट्रक्चर मालिकों को नोटिस जारी करके जगह खाली करने की चेतावनी दी थी। हाउसिंग बोर्ड के उप आवासन आयुक्त राजेश व्यास ने बताया- सभी प्रभावितों को सेक्टर 5 में कॉमर्शियल और आवासीय जमीन का जल्द लॉटरी के जरिए आवंटन किया जाएगा।

जगतपुरा स्थित सीबीआई फाटक से गोनेर रोड रेलवे ओवरब्रिज तक बने 200 फीट रोड पर सीबीआई फाटक से आगे अतिक्रमण था। इस कारण एक तरफ का रोड बंद हो गया था और ट्रैफिक को दूसरी लेन से होकर गुजरना पड़ता था।

राजस्थान-कॉकरोच जनता पार्टी के बड़े नेता को पुलिस ने पकड़ा

संचार जगत

जयपुर। कॉकरोच जनता पार्टी के संगठन सह-प्रभारी दीपक बालियान को गुरुवार रात को कठूमर में उनके घर से हिरासत में लिया गया। पार्टी के सह-प्रभारी आशुतोष रांका ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि- रात 10 बजे पुलिस बालियान को जबरन पुलिस स्टेशन ले गई थी। उन्हें शांतिभंग के आरोप में पकड़ा गया था। कुछ देर बाद उन्हें छोड़ दिया गया। इससे पहले बालियान के परिवार ने दावा किया था कि- दीपक के पैर में फ्रैक्चर है इसके बाद भी उसे घसीटा गया। जब दीपक के छोटे भाई अनिरुद्ध ने पुलिस कार्रवाई का वीडियो बनाना शुरू किया, तो पुलिसकर्मियों ने उनके साथ भी मारपीट की। वहीं, बालियान ने घटना का लाइव वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर किया था। इस दौरान वीडियो कॉल पर पार्टी सह-संयोजक आशुतोष रांका ने पुलिसकर्मियों को धमकी भी दी थी। परिजनों का आरोप है कि 8 अक्टूबर की रात को 2 बार पुलिसकर्मी उनके घर आए थे। पहली बार रात 8 बजे आए थे। इस दौरान दीपक ने पुलिस कार्रवाई का सोशल मीडिया पर लाइव किया था। कुछ देर बाद पुलिसकर्मी वहां से चले गए थे। रात करीब 10 बजे पुलिसकर्मी वापस से आए और दीपक से वीडियो हटाने के लिए कहा।

सीकर- स्मैक-एमडी तस्करों की गैंगवार का मामला, 5 बदमाश पकड़े

संचार जगत

सीकर। सीकर में स्मैक और एमडी तस्करों की गैंगवार में एक युक की मौत के मामले में सदर थाना पुलिस ने 5 आरोपियों को पकड़ा है। पुलिस की 7 टीम आरोपियों की तलाश में अलग-अलग जगह दबिश दे रही है। वहीं, एसके हॉस्पिटल में मोर्चरी के बाहर चल रहा धरना 25 घंटे बाद समाप्त हो गया है।घटना बुधवार देर रात भढाढर गांव की है। जीतपुरा का रहने वाला मृतक संदीप पिलानियां(29) पुत्र नेमीचंद पिलानियां अपने साथी प्रवीण, सोयल, आनंद, मोहित और मुकेश के साथ कैंपर गाड़ी लेकर 12:30 बजे भढाढर में वर्कशॉप से रवाना होकर पेट्रोल पंप की तरफ गया था। पेट्रोल नहीं मिलने पर वह नजदीक ही स्थित अन्य पेट्रोल पंप पर पेट्रोल लेने के लिए जा रहे थे। इस दौरान सामने से एक कैंपर गाड़ी ने संदीप की



गाड़ी को टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद संदीप की गाड़ी बंद हो गई। इसी दौरान दो कैंपर गाड़ी और एक स्कॉर्पियो आई। जिन्होंने संदीप की कैंपर को पीछे और साइड से टक्कर मारी।

फावड़े से हमला किया

हमलावरों में नितेश उर्फ वीरू, उमेश उर्फ पोलक, हिस्ट्रीशीटर जितेंद्र लोसल, अरबाज खान लक्ष्मणगढ़, कालू, सुमित सहित अन्य लोग थे। आनंद और संदीप के साथ गाड़ी में मौजूद प्रवीण, सोयल और मोहित मौके से भाग गए। इसके बाद हमलावरों ने संदीप और आनंद पर हमला करना शुरू कर दिया। संदीप पर बदमाशों ने फावड़े से हमला किया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बदमाश उसे साइड में पटककर चले गए थे।

घटना के बाद परिजनों ने गुरुवार दोपहर 3 बजे से सीकर के एसके हॉस्पिटल में मोर्चरी के बाहर धरना शुरू कर दिया था। परिजनों की मांग थी कि आरोपियों की गिरफ्तारी होने पर ही शव का पोस्टमार्टम करवाएंगे। ऐसे में शुक्रवार को एडिशनल एसपी डॉ.तेजपाल सिंह, सीओ धोद राजेश कुमार ढाका ने परिजनों से वार्ता की। इसके बाद परिजन पोस्टमार्टम करवाने को तैयार हो गए।

तस्कर के लिए काम करता था संदीप

बता दें कि मृतक संदीप पिलानियां एमडी तस्कर महेंद्र फोगावट के लिए काम करता था। इसके साथ आनंद शर्मा, संजय धायल, सुनील पांड्या भी महेंद्र के ग्रुप में थे। दूसरी तरफ हमला करने वालों में शामिल हिस्ट्रीशीटर जितेंद्र लोसल और उसके साथी भी एमडी, अफीम की तस्करी का काम करते हैं। पिछले दिनों पुलिस ने एक्ट में संदीप को गिरफ्तार किया था। ऐसे में उसे लग रहा था कि जितेंद्र लोसल और उसकी गैंग के लोगों ने मुखबिरी की और संदीप को पकड़ा दिया। इस बात को लेकर दोनों ग्रुप के बीच कई बार हॉटटॉक भी हुई थी। माना जा रहा है कि इसी बात को लेकर जितेंद्र ग्रुप ने महेंद्र फोगावट के ग्रुप के लोगों पर हमला किया था। फिलहाल सभी आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद ही इस मर्डर के असल कारणों का पता लग सकेगा। मामले में सीकर स्क डॉ तेजपाल सिंह का कहना है कि फिलहाल 5 आरोपियों को डिटेन किया गया है।

जयपुर में व्यापारियों से ठगी करने वाला गिरफ्तार

संचार जगत



जयपुर। जयपुर में आदर्श नगर थाना पुलिस ने करीब 1.60 करोड़ रुपए के जवाहरात खरीदकर ठगी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान अलजेब खान (24) निवासी मकान नंबर 3936, सूरजपोल गेट, पहाड़गंज, थाना रामगंज, जयपुर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी महंगे शौक और अय्याशी के लिए व्यापारियों को अपने जाल में फंसाता था। वह खुद का विदेश में कारोबार होने का झांसा देकर व्यापारियों का विश्वास जीतता और फिर भारी मात्रा में उधारी में महंगे नगीनों को खरीदकर उन्हें कम दामों में बेचकर रकम हड़प लेता था। व्यापारी से 1.61 करोड़ के नगीनों की खरीद

डीसीपी ईस्ट रंजिता शर्मा ने बताया कि परिवादी शुजात अंसारी, निवासी एलेक्जेंडर कॉलोनी, अमृतपुरी ने आदर्श नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। परिवादी ने बताया कि वह नगीनों का कारोबार करता है। रिपोर्ट के अनुसार, रामगंज के पहाड़गंज निवासी अलजेब खान उससे टूरमलीन स्टोन, पन्ना और सुनहेला आदि खरीदता था। आरोपी ने अच्छे मुनाफे का भरोसा दिलाया। उसके झांसे में आकर परिवादी ने अन्य व्यापारियों से माल खरीदकर आरोपी को दिया। आरोप है कि करीब 1 करोड़ 61 लाख रुपए के जवाहरात लेकर वह फरार हो गया और उन्हें कम दामों में बेचकर उसकी रकम हड़प ली। पुलिस के अनुसार आरोपी पहले व्यापारी से माल खरीदता और पूरे पैसे चुकाता, उसने व्यापारी का विश्वास जीत लिया। आरोपी उसके साथ काफी समय जवाहरातों का व्यापार करता रहा,जिससे व्यापारी का उस पर विश्वास बढ़ता चला गया। इसके बाद आरोपी व्यापारी से 1.61 करोड़ के जवाहरात उधार लेकर (महंगे दामों में बचने का आश्वासन देकर) फरार हो गया। उसने जवाहरातों को सस्ते दामों में ही बेच दिया और कुछ रकम व्यापारी को दे दी, बाकी की रकम को हड़प कर गया। मामला दर्ज कर बनाई विशेष टीम मामले में आदर्श नगर थाने में मामला दर्ज किया गया। इसके बाद आरोपी और ठगी किए गए माल की तलाश के लिए विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। थानाधिकारी छगन डांगी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी अलजेब खान को गुरुवार घर से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। पहले छोटा कारोबार कर जीता विश्वास थानाधिकारी छगन डांगी के अनुसार आरोपी अच्छे और सभ्य परिवार से ताल्लुक रखने का फायदा उठाता था। वह शुरुआत में व्यापारियों के साथ छोटे स्तर पर कारोबार करता और समय पर लेन-देन कर उनका विश्वास जीत लेता था। इसके बाद वह खुद के विदेश जाने और विदेश में कारोबार होने की बात बताकर व्यापारी को अपने झांसे में लेता था।

RUHS में ग्राउंड फ्लोर पर रेस्टोरेंट,मेडिसिन काउंटर बेसमेंट में

संचार जगत

जयपुर। जयपुर में दूसरा सबसे बड़ा सरकारी हॉस्पिटल राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ एंड साइंसेज में मेडिसिन काउंटर दूर है, जबकि रेस्टोरेंट पास है। ये शायद प्रदेश का पहला सरकारी ऐसा हॉस्पिटल होगा, जहां ओपीडी के मैन ग्राउंड फ्लोर पर नूडल्स, पीजा-बर्गर और अन्य आइटम खाने के लिए रेस्टोरेंट है। वहीं दवाई वितरण करने वाले डीडीसी काउंटर ग्राउंड फ्लोर पर न होकर नीचे बेसमेंट में बनाया गया है। इसके लिए मरीजों को 20 से ज्यादा सीढ़ियां उतरकर जाना पड़ता है। इससे सबसे ज्यादा परेशानी बुजुर्ग और गंभीर मरीजों के साथ गर्भवती महिलाओं को होती है। हालांकि यहां 2 लिफ्ट का प्रावधान है, लेकिन धीमी गति से चलने के कारण एक लिफ्ट भी 3 से 4 मिनट बाद आती है। बुजुर्ग मरीज बोलीं- घुटनों-पैरों में दर्द, दो मंजिल चक्कर काटने के बाद दवा लेने आई 64 साल की बुजुर्ग महिला प्रमिला जब दवाई लेने बेसमेंट पहुंची तो उन्होंने इस परेशानी को साझा किया। उन्होंने बताया- मेरे पैरों में दर्द था, जिसे दिखाने मैं हड्डी के डॉक्टर के पास



आई थी। डॉक्टर से दवाई लिखवाने के बाद पूछताछ की तो किसी ने दवाई पहली मंजिल पर मिलना बताया। वहां गई तो गार्ड ने दो मंजिल नीचे (बेसमेंट में) वापस जाने के लिए बोला।

स्वामित्व, प्रकाशक एवं संपादक : अवंतिका राठौड़ - पी.के. प्रिंटर्स एंड स्टेशनर्स, 31, राम मंदिर के पास, पटेल नगर, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। कार्यालय : जे-17, रमेश मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर।
संपर्क : 0141 463 7668 । ई-मेल :editorial@sancharjagat.com । आरएनआई नं. : RAJHIN/2014/55262। समाचार चयन के लिए पीआरबी अधिनियम के तहत जिम्मेदार। न्यायाधिकार क्षेत्र : जयपुर महानगर।